

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 192]

गई बिल्ली, रंगलबार, अक्तूबर 14, 1980/आश्विन 22, 1902

No. 192]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 14, 1980/ASVINA 22, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकल्प के रूप के काजा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

बित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसृषना

नई विरूर्ली, 14 प्रक्तूबर, 1980

स० एफ० 4(5)-डब्ल्यू० एण्ड एम०/80.—6 50 प्रतिशत ऋण. 1990 (दूसरा निर्गम) ग्रीर 7 50 प्रतिशत ऋण. 2010 (तीसरा निर्गम) के लिए 29 प्रक्तूथर 1980 से श्रीभदान नकती में स्थीकार कि लिए में नी ही यह विदिश्न होगा कि कुल श्रीभदान राणि प्रनुमानन 600 करोड़ रुपयी (माकेनिक) तक पहुच यसी है, बिना सूचना दिये किन्यु किमी भी दशा में 30 प्रक्तूथर 1980 की कारोबार समाप्त होने से पूर्व, इन निर्मम को नद कर दिया आएगा। सरकार का 600 कराड़ रुपा से आध्य प्राप्त 10 प्रतिशा तक के स्थियां का रुप लेने का श्रीकार है।

- अति उन्तेष्ट ऋणों की बुल भिक्षान राणि 660 भगड़ क्यों में अधिक ता तो ऋणों के सदर्भ में आतुपाधित आधार पर आध्यत आधारत किया जा को । याद आणिक आधारत किया जाता है ता आणिक आधारत के बाद प्राण हा आधक आभेदात का राणि लीटा दी जाएक। एस प्रकार लौटाहि . . राष्ट्र पर काई दिशा श्रदा नहीं किया को छ।
- ्र ≠० 100 00 प्रतिमान को दर पर आहे किया जाने वाला स्पीर 15 जुलाई 1990 का समभूत्य पर प्रतिदेश 5 50 प्र[†]ा दिख्या, 1990 (दूसराजिभी)
 - (1) जापर्भ' ब्रादायमी की नार्रिया व्हाण 1º जुनाई 1940 का संस्तृता पर यापस ब्रादा निया जाएगा 1

- (2) विकास भन्य अपनेदित ऋण ने प्रत्येकार० १०० ०० (साक्षेतिक । का निर्शम भक्य २० - १०० ०० होगा ।
- (3) व्याप इस ऋष की व्याप्त वर 29 प्रक्ष्मवर 1980 से वार्षित्र 6 50 प्रसिक्षत हार्गी। 29 प्रक्ष्मय 1980 से 17 जनधरी 1981 (दोनो दिन मिलाकर) तकार्का खदीसका ब्याप्त 18 जनवरी 1981 को अबा क्याप्त जाएका और उसके बाद प्रत्येक छमाई. से 18 जुलाई छोर 18 जनवर्ग को ब्याप्त खदा निद्या जाएका। इस प्रकार खदा किये गये व्याप्त पर से वे दिये गी अनुच्छेद 6 छोर 7 के उपबंधों के अबान ध्राय कर कार्यित कर समेगा।
- 4 रु० 100 00 प्रान्थान की वर पर जारी **किया जान वाला भी**र 12 मई, 2010 का समनूत्य पर प्रतिदेश 7 50 प्रक्षिणन **ऋण** 2010 (नीमरा निर्धेम)
 - (1) यासमाध्यक्षपति की कारीख -ऋण 12 मई 2010 को सन-मृत्य पर वापम अदा किया आएका ।
 - (2) निगम भूता ध्यानिक्षत ऋण ४ प्रतीय ६० १०० ०० (सार्वेक् तिक) ता नर्गम मृत्य २० १०० ०० होगा ।
 - (४) व्याज- इन ऋण की ब्याज दर 29 अक्तूबर 1980 से साधिक 7 50 प्रतिका होती । 29 प्रक्तूबर 1980 में 11 नवबर, 1930 (दीना हो जनतकर) तत्त का अवधि का ब्याज 12 नेव्बर, 1930 का अदी किया जाएगा और उसके बाद प्रतिक छात्ति में 12 मई और 12 नोबर का ब्याज अवा किया का गा। इस प्रकार क्या किये को ब्याज पर नीचे

811 GI/80 (947)

विये हुए प्रतृष्ठिय ६ शोर ७ के उपवर्धी के प्रधीत आप-कर प्राधानयम, 1961 के प्रजीत अल प्रति ।

पुरक व्यवस्थाएं

5. व्याज अदा करने का स्थान - इन ऋणों पर भारताय (रअर्थ बैंक के अहमदाबाद, वंग्युर, स्वर्द, कलकत्ता, हैदराबाद, अपपुर, कानपुर, महास, नागपुर, नदी (दल्ली और पटना में स्थित लीक ऋण कार्यालवी भारत में अस्मू और बार्यार तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर अन्यत किसी राजकीय या जय राजकीय में ब्याज श्रदा किया जागा।

6. व्याज अदा करने सन्य (वाधिक वित्त व्यधिनियमों हारा निर्वारित दर्शे पर) प्रति ग्री कर की वापमी अदायमी उन ऋण-धारकी की प्राप्त होगी जो कर-पाल नहीं हैं पा जिन पर ऐसी दरी पर कर लग् होता है जो काटे ग्री धर की दर से कन हो !

जी धारक अन्याव नहीं है या निर्धालन वर के कम दर पर करणाव हैं वह जिले ये आयकर अधिकारी की आयेदन कर उनसे एक ऐसा अमाण-पत्र प्राप्त कर सकता है जिलमें यह अधिकृत किया क्या हो कि कर की कटीना कि बिना या धारक पर कामू होने बालों न्यूनकर दर पर कर की कटीनी कर उसे ध्याज अदा किया जाए।

- 7 अब नार्या किने जाने अले सभी बहुणों पर और इनके पहले की अस्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने बाले बजान तथा अस्य अनुमोदित निवेशों में मिलने वाली आय को वार्षिक 3,000 रावणों की संख्या तक और अस्य गर प्रतिविचन, 1961 की आरा 80 ठ के अस्य उद्देशों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होंगी।
- इ. अब नारी किए जाने वाले ऋणों में किए जाने वाले निवेशों की मूल्य, इसके पश्चे सरकारी प्रतिभृतियों में किये गर्न अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिख प्रत्य निवेशों के पूल्य की भी 1,50,000 रुपयों की मीमा तक गपान कर स छुट प्रत्या होती ।
 - प्रतिभृतिया नियमालिखन के रूप में अहरी का अहरी ...
 - (1) स्थाक प्रमाणपत्र, या

(2) वचनाव।

याद पानिवक इनमें से किसी का उल्लेख न करें सो उन्हें अचनपत्नीं के रूप से पनिस्तिया जारी की आएंग्री ।

- 10. ऋणों के लिए ब्रावेदन-पत्त--ऋणों के लिए ब्रावेदन-पता कर 100 % इनके मुणकी के लिए होते चाहिए।
 - 11. अ।देदन पत्र निम्तालिका कार्यालयों में मई(कार क्षि) जाएगे ---
 - (क) स्रहमदाबाद वंगलूर बंबई (फीट स्रोर भायखना), कलकत्ता, हैदराबाद अपपुर कानपुर, महामा नागपुर नवी दिल्ली श्रीर पटना में स्थित (अन्य रिजाय बैंक के कागिनय) स्रोर
 - (ख) उपरांतन (क) में कि गर्ध स्थानों को छोड़कर भारत में ग्रस्य सभी रंथानों पर शास्त्रीय स्टेट बैंक को णाखाएं।
- 12 आफंदर-पद्ध उसके साथ सलान फार्ध में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने लांडा असमें अपेक्षित असिश्वित के राणि और विधरण, आभेदर का पूरा नाम और पता तथा उस का असिश गा स्वयं उसलेख हो कहा आधेदर व्याज की भदायती की अपेक्षा करता है।
- 13. बाबेदन-पत्नों के नाथ फाबण्यक राणि नकति या चिक्र के रूप में प्रेपित की जानी चाहिए । भारतीय रिक्षवं बैक्स या भारताय स्टेट बैक्स के बार्यालय में प्रस्तुत किये जाने बाले चेक्स संबंधित बैक्स के नाम ब्राह्मित किये जाने चाहिए।
- 14. स्थावन **यंकां भ्रोर दल**(लों का उनके हार) प्रस्तुत भ्रोर उनके स्थारण्यत ऋण-श्रावेबनपश्चा पर विधे को भ्रावटनो पर पति रू० 100, 00 (शांकितिक) 6 पैसे की दर पर दलाली श्रदाको आएमी ।

दलाली की प्रदासनी के लिए ऋण जारी किने काने की नारीख में इस महीने के भीतर ग्रदायनी कालियों में दावा पेण किया आना चाहिए।

राष्ट्रकात **के श्रादेश में,**

प्रस्किलेश चन्द्र तिवारी, संयुक्त संघिष

	श्रावेदस-पन्न का फार्म															
	看 /表中**・・・				,	: इ.स <u>.</u> म	माथ क	o · · ·	.	,	. (· - · · · ·		··· म	पर्ये)	के लिए
		(प्रा/पूरे नाः	म)												
नकर्दः ^ह चेक*	–प्रत्नुक कल्क	ं हे/फर्ने	हे∜ सोर	पा प्रकारीय	সংস্ক	≢/ਜਾਵਿ ਹੈ	ក	र् के हिमें क	नीचि	ড নি বজিব	न मुन्य	दर्ग ∤मुल्य	प्रवर्गी	में -	जिन हा स्टाक	(पक्षां)† प्रमाणपव
के र ूप	¥' ·			•	'ंस्पर्गे(से गांकिन	क्ष मृत्य	कि 6,50	। प्राचित्	द ऋगुण,	1990	(दूसरा हि	न्र्गम)*	7.5	০ ঘ্ৰনিঃ	ान ऋण
2010	/तीथरा निर्ग	म)* की	प्रति कृतियां	न,रं ने उ	Iúi :											
	प्रति अवन पर	त्र कु० * ∵				·· रः (के) · ·					· ' अ चनपत	r			

मैं/हम* चाहता हैं/चाहते हैं कि उनका व्याज ः । ।
 भ भ्रदा किया ज्ञाण् ।

 विशेष टिप्पणी . इस खाते में अश्येदक कुछ त विश्वें ।

भारी प्रविष्टिया लोक ऋण कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

			-			
		छंटि हस्त(क्षर	ं दिना	ाक .		
_	श्रु:थेदन पत्र सं० ं ं ं ं ं ः	• • • • • • • • •		,		
	"दलालो नही" मृतरा ।			ं ह [⊭] 1.4₹1		,
	नकवी बार होते की हारास्त	r - r		. पुर: (प्रे)	नतम '''' ''' ''	
	चेक बसूल होने की अहिंग्या					
	विषय चरल खाते में जमः कियः, स्थः, 💛 💛 🕬		' I	· पना '		
	जांच की गयी		i 			
	नगदी प्रातेष्टन पञ्ची के रक्षिस्टर ने वर्ष किया गया 💛					
	दलाली रकिस्टर में दर्ज किया गयः					
	माग पत्न मं०					
	प्रतिभृति सं व			4		
	्राईस० १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १					
	वाडचर पारित करने की ताशिख			- •	दिनांक श्रक्तूबर, 1980	

^अजी श्राबण्यक न हो उसे काट दिया जाए।

†कर 100, कर 200, कर 500, कर 1.000, कर 5,000, कर 10,000, कर 25,000, कर 50,000 और कर 1,00,000 के मृत्य अभी में बचनपद्ग भारी किये जाएंगे। जो मृत्य वर्ग अपेक्षित हो उसका उस्लेख यहां किया जाए।

टिप्पणी :

- (1) प्र**ंश** ऋषा, श्रमिदान के प्रस्थेक प्रकार भ्रौर श्रपेक्षित नये ऋषा की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभृति (स्टाक प्रभाणपद या थचनपत्र) के लिए भागग-अलग आयेदन किया जाए !
- (2) यदि श्रावेदक के हस्ताक्षर श्रंगुठे के निषान के रूप हों तो. दो व्यक्ति उसके साक्षी हों । साक्षियों के इस्ताक्षरों के नीच उनके पूरे नाम व्यवसाय श्रीर पते क्षिये जाए ।
- (3) यदि क्रावेदन किसी पत्रीकृत निकास के नाम से फिया जाए तो निवेश श्वावेदन पत्र के माध निम्नलिखित दस्तावेत, यदि वे लीक ऋण कार्यान्त्र से पहले ही पंजीकृत न किये पसे हों तो, संकरन किसे आए :
 - (i) निगमन/पत्रोक्तरण का मूल प्रमाणस्त्र या कार्यालय के मुद्राक के प्रधीन जारी करने थाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी प्रतिलिपि ।
 - (ii) कंपनी/निकाय के ज्ञापन पत्र ग्रीर ग्रनियम या नियमो ग्रीर विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिनिपियो ।
 - (iii) कपनी/निकाय की प्रोर में सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यो) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षर/हस्ताक्षर।
- (4) जो श्राबेदक स्टाफ प्रमाणपत्नों के रूप में प्रतिभृतियां प्राप्त करना चाहने हैं. उन्हें फ्रमाही द्याज के प्रेपण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रादेण फार्म भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE (Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th October, 1980

No. F. 4(5)-W & M/80.—Subscriptions for the issues of 6.50 per cent. Loan, 1990 (Second Issue), and 7.50 per cent. Loan, 2010 (Third Issue) will be received from the 29th October 1980 in the form of cash. The issues will be closed without notice as soon as it appears that the total subscriptions amount approximately to Rs. (60 crores and in any case not later than the close of business on the 30th October 1980. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of the sum of Rs. 600 crores.

- 2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 660 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.
- 3, 6.50 per cent Loan, 1990 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent, and redeemable at par on the 18th July 1990.
 - (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 18th July 1990.
 - (ii) 13 u: Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

- (iii) Interest.- The Loan will bear interest at the rate of 6.50 per cent per annum from 29th October, 1980. Interest for the period 29th October, 1980 to 17th January 1981 (inclusive) will be paid on 18th January 1981 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 18th July and 18th January. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 6 and 7 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.
- 4, 7,50 per cent Loan, 2010 (Third Issue) is suedat Rs.100.00 per cent and redeemable at par on the 12th May, 2010.
 - (i) Date of Repayment. -The Loan will be repaid at par on the 12th May, 2010.
 - (ii) Issue Price. The Issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
 - (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.50 per cent, per annum from 29th October, 1980. Interest for the period 29th October 1980 to 11th November 1980 (inclusive) will be paid on the 12th November 1980 and thereafter interest will be paid hall-yearly on the 12th May and 12th November. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 6 and 7 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

- 5 Place of Payment of Interest. Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Alimedabad, Bungalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madraa, Nagpur, New Delhi and Patna, at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Bikkim.
- 6. Refunds of two deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the discrict, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

7. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject

- to a limit of Rs. 3,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.
- 8. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth tax Act will also be exempt from the Wealth tax upto Rs. 1,50,000.
 - 9. The securities will be issued in the form of
 - (i) Stock Certificates, or
 - (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

- 10. Applications for the Loans.—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.
 - 11. Applications will be received at-
 - (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Dethi and Patna; and
 - (b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.
- 12. Applications mer be in the form attached breeto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.
- 13. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of each or cheque. Cheque tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.
- 14. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing there stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the paying offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President, A.C. TiWARI, Jt. Seev,

FORM OF APPLICATION

I/We* ·		
", " -	[Full Name (s) in Block letters]	herewith
*Cash		increwin
tender Rs		(Rupers
		of 6.30 per cent. Loan, 1000 (Second Issue)*/
7,50 per cent. Loan, 2010 (Third Issue) Promissory Note(may te issued to
me us* in the form ofia Stock Certificate	the denomination(s) stated below :=-	
	— Permissory Note(s) of Rs.	
	Promissory Note(s) of Rs	ecc h
	Promiss my Nows) of Est	

N.B.—The applicant should not w The entries will be filled in	rite any-thing i by the Public I	n this cage. Debt Office.	Signature (s)				
	Initials	Date	Name(s) in full (Block Letters)				
Application No.		ļ					
N.B. Stamp	\	: - 	,				
Cash received on			Address				
Cheque realised on							
Credited to Special Current Account on							
Examined							
Cash Applications Register posted							
Brokerage Register posted			† .1				
Ident No.	 		Dated the				
Script No.		! 	of October 1980.				
Card No.	<u> </u>	İ	1				
Voucher passed on	·	<u> </u>					

- Notes.—(1) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of script (Stock Certificate or Promissory Note) of the new Loan required.
 - (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
 - (3) It the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, it not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:—
 - Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy there of certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/ Bye-laws of the company/body.
 - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal Government securities on behalf of the company/body together with his /their duly attested specimen signature(s).
 - (4) Applicants desiring the issue of scripts in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

^{*}Delete what is not required.

⁺Promissory Notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000 Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.